नया प्रयास, नयी उमंग, एक कदम शिक्षा के संग

बाल सुलभ काव्य

चाँद

तारे देखो टिम टिम करते हैं,
चन्द्रमा के संग वो रहते हैं।
जब देखो अंधेरी रात हो जाती,
तारों के कारण रोशनी है छाती।

चुपके से चंदा मामा निकलते हैं
संग में वो अपने चांदनी लाते हैं।
बच्चों के मन को भा जाते हैं तारें,
टिम टिम करते जब आ जाते है सारें।